Tara
बुजुर्गों के लिए...

मूल्य - 5 रु.

तारांशु

मासिक
जनवरी - 2017
वर्ष 5, अंक 4, पृ.सं. 20

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विशेषांक

निर्धन निःसहाय विधवाओं के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा हेतु संचालित एक विशेष स्कूल :

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर

नव वर्ष अभिनन्दन!

नवीनतम :–

आनन्द वृद्धाश्रम की एक और शाखा : ''रवींद्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम'' इलाहाबाद में

दिः 21 नवम्बर, 2016 को तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा एक और वृद्धाश्रम "रवींद्रनाथ गौर आनंद वृद्धाश्रम" के नाम से टेगौर टाउन, इलाहाबाद में खोला गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता श्री प्रदीप कुमार (अपर सिटी मजिस्ट्रेट–इलाहाबाद) ने की और इस परियोजना के लिए सभी प्रशासनिक सहायता का आश्वासन दिया। मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. सिंह (प्रिंसिपल, एम. एल. नेहरू मेडिकल कॉलेज, इलाहाबाद) ने कहा है कि मेडिकल कॉलेज इस वृद्धाश्रम के लिए सभी संभव सेवाएँ प्रदान करेगा। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती कल्पना गोयल, संस्थापक–तारा संस्थान ने श्रीमती रमन गौड़ के अनुकरणीय कार्य की सराहना की कि उन्होंने इस प्रयोजन के लिए पूरा घर उपलब्ध करा दिया। श्रीमती गोयल ने कहा वह खुश हैं कि यू.पी. में यह उनकी पहली परियोजना की शुरूआत हुई है जिसमें 60 वर्ष से अधिक के वृद्ध लोगों को पूरी तरह निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिनेश स्वरूप, स्थानीय पार्षद श्री आनंद किशोर गुप्ता, डॉ. ए. लालकृष्ण गुप्ता और कई अन्य गण्यमान्य व्यक्ति व अधिकारी उपस्थित थे। समारोह का संचालन श्री दीपेश मित्तल, सचिव–तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा आयोजित किया गया।

रवींद्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम, इलाहाबाद में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद व निकटवर्ती स्थानों के वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धाश्रम में आमंत्रण

निकटवर्ती ग्रामीण व शहरों के निःसहाय वृद्धजनों, जिन्हें इस उम्र में कोई सहारा नहीं, वे इस आश्रम में निःषुल्क रह सकते हैं। खाने–पीने व स्वास्थ्य जाँच की भी सुविधा। अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :–

फोन नं. (0294) 3099959

श्रीमती रमन गौड़

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
वृद्धाश्रम की एक और शाखा : ''रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम'' इलाहाबाद	02
अनुक्रमणिका	03
एक सुनहरे भविष्य की ओर	04
इलाहाबाद में संगम स्थल का आनन्द!	05
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल	06
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल की शैक्षणिक विशेषताएँ	07
अन्य सुविधाएँ	08
शिक्षणोत्तर गतिविधियाँ	09
कुछ लाभार्थी	10
मस्ती की पाठशाला	11
दानदाताओं से अपील/अतिथियों के विचार	12
अतिथि विशेष/अपील : भूमि अनुदान / भूमि दान दाताओं की सूची	13
मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	14–15
स्वागत	16
धन्यवाद	17–18
सम्पर्क सूत्र – तारा संस्थान	19

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा – श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

आशीर्वाद – डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक – नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश "मानव" की सन्निधि में साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाषित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाष कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

एक सुनहरे भविष्य की ओर....

8 नवम्बर, 2016 भारत के इतिहास में बहुत बड़ा दिन था, एक ऐसा फैसला लिया गया... जो भारत की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण बदलाव लाएगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा करके भारत की 80 प्रतिशत से अधिक मुद्रा को हटा दिया और नयी मुद्रा लाई गई। इस निर्णय के पक्ष–विपक्ष में कई तर्क दिए जा रहे हैं और बहुत सारी राजनीति भी हो रही है लेकिन आपके साथ हमारा यह संवाद राजनीति या फिर करेंट अफेयर्स से परे होता है। हमारा रिश्ता भावों का रिश्ता है लेकिन फिर भी बड़ी घटना थी इसीलिए इस विषय को लेकर आज हम आपसे बात कर रहे हैं।

विमुद्रीकरण से लम्बे समय में लाभ मिलेंगे ऐसा हर जानकार कहता है और कोई भी देशवासी देश के लिए कुछ अच्छा हो तो तकलीफ झेलने को तैयार होगा और ऐसा हो भी रहा है क्योंकि भारत में राष्ट्रभक्ति हमेशा राजनीति से ऊपर रही है।

जो भी दानदाता हमसे जुड़े हैं वे सभी नौकरी, व्यापार, कृषि आदि क्षेत्रों से हुई अपनी आय का कुछ हिस्सा एक अच्छे कार्य में देने का मन रखते हैं और देते भी हैं। आप सभी वो बड़े दिल वाले लोग हैं जिन्होंने अपने हिस्से के खर्च को कम कर अपनी मेहनत की कमाई को दूसरों के लिए दिया है वरना खर्च करने की अधिकतम सीमा कुछ भी नहीं होती है। संस्थान को एक्टिवली काम करते हुए 5 वर्ष से थोड़ा ही अधिक समय हुआ है और संस्थान की दृष्टि से देखे तो अभी हम शैषव काल में हैं। ईश्वर की कृपा और पापा डॉ. कैलाश 'मानव' जी का आशीर्वाद है... अभी उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में निःशुल्क आँखों के हॉस्पीटल हैं। उदयपुर व इलाहबाद में वृद्धाश्रम हैं, विधवा महिलाओं को गौरी व गाँव के बुजुर्गों को तृप्ति के माध्यम से सहायता दे रहे हैं और गरीब बच्चों का एक स्कूल भी है। सभी काम चलाने के लिए ''अर्थ'' आवश्यक है ये परम सत्य है और हम आप सबके आभारी हैं कि आपने सहयोग किया तभी ये सब हो पाया।

विमुद्रीकरण के बाद थोड़ी कठिनाई सभी को आ रही है और थोड़े समय सबको कुछ परेशानी होगी ऐसा लगता है, लेकिन इस परेशानी में भी ''तारा'' का हाथ थामे रहें, यही अपेक्षा है।

कल्पना गोयल

दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनों के साथ बुराई करने के समान है।

रविन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम प्रयाग, संगम, अलफ्रेड पार्क (एक राष्ट्रीय तीर्थ)... कभी न भूलने वाली यादें!

चप्पू वाली नाव की ''संगम'' तक सवारी

नवंबर माह में इलाहाबाद जाना हुआ, उपलक्ष्य था ''रवीन्द्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम'' का उद्घाटन जो उनकी धर्म पत्नी श्रीमती रमन गौड़ ने अपने स्वर्गस्थ पति की याद में तारा संस्थान को समर्पित किया है। किसी अपने को कोई सबसे बेहतर श्रद्धांजलि कैसे दे सकता है इसका यह बेहद खुबसूरत उदाहरण है। उद्घाटन हुआ और अब उस वृद्धाश्रम में वृद्धजन भी रहेंगे, और हाँ तारा संस्थान का देश के सबसे बड़े जनशक्ति वाले प्रदेश में एक छोटा सा Permanent प्रकल्प भी शुरू हुआ। उत्तरप्रदेश में जाना वैसे कम ही हुआ है लेकिन बचपन से पढ़ते आए हैं कि उत्तरप्रदेश भारत के बहुत से महानायकों की जन्म भूमि और कर्म भूमि है। इलाहाबाद गया तो मन में पक्का था कि प्रयाग में दो जगह जाना ही है, एक तो संगम, क्योंकि स्नान करने से पुण्य मिलता है या नहीं ये पता नहीं लेकिन कुछ मान्यताएँ होती हैं सो संगम स्नान किया और सच मानिएं, यमुना में चप्पू वाली नाव में बैठकर संगम स्थल तक जाना आलौकिक आनंद देने वाला था। मुझे ये लगता है कि हमारे पुरखों ने जो ये तीर्थ स्थल पहाड़ों में, समंदर किनारे या नदियों किनारे बनाए थे। उसका धार्मिक महत्त्व जो भी हो, उस बहाने कितने बुजुर्ग इन खुबसूरत जगहों पर अपने जीवन काल में चले जाते हैं। और उनके बच्चे कितने ही गरीब क्यों न हो थोड़ा पैसा जुटा कर माता–पिता को भेज ही देते हैं। वरना सारा जीवन माता–पिता बच्चों की परवरिश फिर बच्चों के बच्चों की परवरिश में ही निकाल देते हैं।

इलाहाबाद में दूसरी जगह जाना था अलफ्रेड पार्क, यह वो स्थान है जहाँ श्री चंद्रशेखर आजाद शहीद हुए थे। बचपन में कोर्स की किताबों में पढ़ा था कि श्री चंद्रशेखर आजाद ने अलफ्रेड पार्क में पुलिस वालों से घिरने पर अपने साथी सुखदेव को बचा कर निकाला और गिरफ्तार होने की बजाए खुद शहीद हो गए। आज उस पार्क का नाम चंद्रशेखर आजाद पार्क ही है, और वहाँ उनकी सुंदर प्रतिमा है। उदयपुर आने पर बचपन के पढ़े इतिहास को ताजा करने के लिए Google खोला और ''चन्द्रशेखर आजाद'' Search किया। यकीन मानिये जब Google में पढ़ा और अभी लिख रहा हूं तब भी आँखें नम है। एक 24 साल के युवा ने खुद को गोली मार दी, सिर्फ इसलिए कि उसका देश गुलाम न रहे। ऐसी उम्र जिसमें हर युवक एक अच्छी नौकरी, व्यवसाय, शादी परिवार ये ही सब सोचता है, ऐसे में बिना किसी चाहत के ऐसा जज़्बा कैसे जा आता है, सोच से परे है और सबसे बड़ी बात, जब वे 14 साल के थे और गांधी जी ने असहयोग आंदोलन चलाया था तो उस समय उन्होंने भी उसमें भाग लिया फिर गिरफ्तार हुए। पुलिस ने नाम पूछा तो बताया ''आजाद'' पिता का नाम ''स्वतंत्रता'' और घर ''जेल''। पता नहीं ऐसी हिम्मत उस छोटे से बच्चे में कहाँ से आई होगी।

जीवन में हम स्कूल में जो भी पढ़ते या सीखते हैं। वो ताउम्र मन में रहता है अच्छा हो या बुरा। और यही शिक्षा का महत्त्व है। शिखर भार्गव स्कूल को लेकर यह विशेषांक है तो बस यही लगता है कि हमारा प्रयास हो कि वे बच्चे जिनके पिता नहीं है तो सिर्फ शिक्षा के अभाव में महानायक बनने से न रह जाए क्योंकि वो शिक्षा और संस्कार ही तो थे कि चंद्रशेखर तिवारी, चंद्रशेखर आजाद बनकर अमर हो गए।

एक Request आप सब से है जब भी इलाहाबाद जाए तो संगम के साथ–साथ अलफ्रेड पार्क भी जाए ताकि आपका माथा भी गर्व से ऊँचा हो जाए और हाँ, रवीन्द्र नाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम तो आप जाएँगे ही।

आदर सहित...

दीपेश मित्तल

अलफ्रेड पार्क में श्री चन्द्रशेखर आजाद की शहादत स्थली

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विशेष :-

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल (अंतर्गत-तारा संस्थान, उदयपुर)

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल तारा संस्थान, उदयपुर के तत्त्वावधान में चलाया जाता है। इस छोटे से किन्तु सुंदर स्कूल उन छात्रों, जो कि संसाधनों की कमी के कारण उचित शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं, को समुचित शिक्षा देने का प्रयास किया जाता है। यहाँ विशेषकर कम आयु में विधवा हो चुकी महिलाओं के बच्चों एवं अनाथ बालक बालिकाओं को पूर्णःतया निःशुल्क शिक्षा तथा शिक्षा–सामग्री प्रदान की जाती है, जिसमें फीस, किताबें, स्टेशनरी, बैग और परिवहन सुविधा भी शामिल है तथा गरीब बच्चों को फीस में विशेष छूट दी जाती है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल का उद्‌गम : श्री एन.पी. भार्गव सा.

श्रीमती एवं श्री एन.पी. भार्गव सा.

तारा संस्थान के अनेक सेवा-भावी कार्यक्रमों के दौरान एक बार जब कल्पना जी ने मुझे कुछ विधवा महिलाओं से मिलवाया तो उनकी अनेकानेक समस्याओं से अवगत हुआ। लेकिन एक बात जो आवश्यक रूप से उभर कर आई वह थी इन विधवा महिलाओं के बच्चों की शिक्षा की समस्या। इसके निवारण हेतु मन में एक विचार आया और इस प्रकार मेरे स्व. पुत्र शिखर भार्गव के नाम से इस स्कूल प्रकल्प की शुरूआत दिः 1 जुलाई, 2014 को हुई।

स्व. श्री शिखर भार्गव

चित्र में (बाएँ से दाएँ) श्रीमती कल्पना गोयल, श्रीमती पुष्पा भार्गव, श्री राहुल भार्गव, श्री एन.पी. भार्गव सा., श्रीमती नीता भार्गव, श्रीमती कल्पना अग्रवाल, श्री उमंग अग्रवाल, श्री दीपेश मित्तल

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल की शैक्षणिक विशेषताएँ:

स्कूल प्रधानाध्यापिका अपने शिक्षण स्टाफ के साथ

- कक्षा प्री-नर्सरी से आठवीं तक पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम।
- पूर्णत: प्रशिक्षित और अनुभवी स्टाफ।
- कमजोर छात्रों के लिए विशेष मार्गदर्शन।
- पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्ले-वे विधि।
- घरेलू माहोल में समग्र विकास कार्यक्रम।
- सभी कक्षाओं के लिए शैक्षिक खेल के साथ अध्यापन।
- मुफ्त कंप्यूटर शिक्षा।
- प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति।

आधुनिक कम्प्यूटर कक्ष : श्री परेश भाई शाह, निवासी - मुम्बई द्वारा भेंट

स्कूल के दो खुश सहपाठी

अन्य सुविधाएँ

- व्यापक सह-पाठयक्रम कार्यक्रम
- समुचित-संग्रहित पुस्तकालय
- आई.टी. और कम्प्यूटर कक्ष
- खेल का मैदान
- अलग-अलग उपकरणों के साथ संगीत कक्ष
- शतरंज, कैरम आदि इंडोर खेलों की व्यवस्था
- बगीचा क्षेत्र
- चिकित्सा कक्ष
- आर.ओ. तथा शीतल जल प्लांट
- नियमित स्वास्थ्य चेक-अप
- सुसज्जित गतिविधि कक्ष

लंच ब्रेक में आनंदित विद्यार्थीगण

प्ले एरिया में खेलते बच्चे : खेल उपकरण श्री अर्जुन दास जी अलरेजा, निवासी - मुम्बई द्वारा भेंट

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विशेष :-

शिक्षणोत्तर गतिविधियाँ

दीपावली के अवसर पर स्कूली बच्चे रंगोली आतिशबाजी और मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव का एक दृश्य।

राखी का उत्सव नि:सहाय वृद्धजनों के साथ - आनन्द वृद्धाश्रम में

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के विद्यार्थीगण, स्टाफ के सहयोग एवं प्रोत्साहन द्वारा साल भर अनेकानेक त्यौहार अथवा महत्त्वपूर्ण दिवसों पर किसी-न-किसी रूप से सक्रियता पूर्वक भाग लेते हैं। होली, दीवाली हो या गणतंत्र दिवस, सभी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विशेष :-

कुछ लाभार्थी

षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विषेष रूप से विधवा महिलाओं के बच्चों व अनाथों को पूर्णःतया निःषुल्क षिक्षा व षिक्षा सामग्री प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गरीब परिवारों के बच्चों को रियायत दी जाती है।

ऊपर के चित्र में : (बाएँ से) अपने एक बच्चे व बच्ची के साथ श्रीमती शांता सालवी तथा श्रीमती रेखा लौहार अपनी तीन बच्चियों के साथ इन दोनों के बच्चे षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में निःषुल्क षिक्षण पाते हैं। और रेखा लौहार स्वयं इस स्कूल में पियोन का कार्य करती है।

विद्यार्थीगण जिनके माता व पिता दोनों नहीं है।

ये सारे बच्चे षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में ही षिक्षा पा रहे हैं।

प्रशंसा वह हथियार है, जिससे शत्रु भी मित्र बनाया जा सकता है।

मस्ती की पाठशाला

पाठशाला में एक बालिका नृत्य प्रस्तुति देती हुई

5 महीने पहले शुरू की गयी "मस्ती की पाठशाला" तारा संस्थान के अनेक सामाजिक कल्याण योजनाओं की कड़ी में एक नया प्रयास है। इस विशेष सायंकालीन स्कूल का उद्देश्य उदयपुर के पास झुग्गी–झोंपड़ी के सड़कों पर कचरा बीनने वाले बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य प्रदान करना है। इस कार्यक्रम द्वारा इन बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा के साथ ही स्वच्छता की भावना को भी बढ़ावा देना है। उन्हें यहाँ पर शैक्षिक ज्ञान के अतिरिक्त संस्कृति और नैतिक मूल्यों पर भी पाठ पढ़ाया जाता है और नृत्य और खेल आदि के साथ बच्चों को नाश्ता व दैनिक कुछ नकदी दी जाती है ताकि उन्हें अपने माता–पिता के लिए कचरा बीनने की जरूरत नहीं पड़े। पांच महीने से चले आ रहे इस अनौप–चारिक स्कूल में नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेने वालों की संख्या 50 तक हो गयी है। बच्चों के माता पिता भी इस पहल से बहुत खुश हैं और बच्चों को इस तरह का अवसर प्रदान करने के लिए तारा संस्थान की प्रशंसा कर रहे हैं। वे कहते हैं कि बच्चों की घर पर भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता उच्च स्तर की हो गयी है और वे अब बहुत अच्छी तरह से व्यवहार करते हैं। शिक्षकों के अनुसार, कच्ची बस्ती में रहने वाले अनेक बच्चों में बहुत सारी छिपी हुई प्रतिभा है जो इन्हें बेहतर नागरिक बना सकती हैं बशर्ते इनके विकास हेतु सही मंच दिया जाए। और तारा संस्थान ने निश्चित रूप से उन्हें यह अति आवश्यक मंच प्रदान किया है। यह कार्यक्रम, सोमवार से शनिवार को जुलाई 2016 से 50 बच्चों की समूह में सायं 4 बजे से 6 बजे के बीच चल रहा है। तारा संस्थान इस कार्यक्रम पर 1000/– रुपये प्रति छात्र प्रति माह खर्च करता है। सभी सहृदय दानदाताओं से निवेदन है कि इस नेक काम के लिए उदारता से योगदान करें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

फोनः +91 95493 99993

मस्ती की पाठशाला के गंभीर विद्यार्थीगण

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल विशेष :-

दानदाताओं से अपील

हम समाज के सभी क्षेत्रों के लोगों को अपील करते हैं कि वे हमारे साथ मिलकर शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के माध्यम से भारत के अधिक से अधिक भविष्य के युवा नागरिकों को शिक्षित करने के लिए हमें मदद करें ताकि आपके सहृदय योगदान से गरीब और जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्ता पूर्ण स्कूली शिक्षा के लिए तारा संस्थान द्वारा संचालित यह स्कूल सक्षम हो जाए। हमारी पूरी कोशिश है कि हम उदयपुर के अन्य प्रमुख स्कूलों के बराबरी पर शिक्षा प्रदान कर पाएं। मदद की तरफ आपका छोटा–सा कदम इस मंगल प्रयास में आगे हमें प्रेरित करेगा। आप इस पुण्यकार्य में मात्र 8000 रु. से मदद कर सकते हैं जिसमें फीस, किताबें, स्टेशनरी, बैग और परिवहन सुविधा भी शामिल है।

शिखर भार्गव में पढ़ते कुछ बच्चों की माताओं (विधवाओं) के विचार

हेमलता राजपूत
मेरी बच्ची षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में 8वीं कक्षा में पढ़ रही है – सारी पढ़ाई व सामान बिल्कुल ही मुफ्त है। बहुत–बहुत धन्यवाद।

मंजू सालवी
मेरी एक बच्ची एलकेजी और दूसरी 1 क्लास में पढ़ रही है। षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल द्वारा उनको लाने–ले–जाने हेतु ऑटो की भी व्यवस्था है। बहुत–बहुत धन्यवाद भार्गव सा. को।

कुसुम मेघवाल
मैं षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल व तारा संस्थान की आभारी हूँ। उन्होंने मेरी बच्ची का भविष्य संवारने में मेरी मदद की हैं।

रेखा लौहार
मैं 3 बच्चियों की विधवा माँ हूँ। मेरे पति के गुजरने के बाद उनका भविष्य अंधकार मय सा लग रहा था। षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में उनकी मुफ्त पढ़ाई से मैं अब निष्चित हूँ।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल के बारे में अतिथियों के विचार :

1. **श्री बाल कृष्ण जी, इन्दौर :** षिखर भार्गव पब्लिक स्कूल की परिकल्पना अत्यन्त सराहनीय है। निःसहाय विधवाओं के बच्चों की समुचित षिक्षा आवष्यक है।
2. **श्रीमती हेमा शर्मा, दिल्ली :** मैंने जब इस स्कूल का दौरा किया तो लगा कि इस प्रकार के कार्य के पुण्य हैं एवं इन्हें बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
3. **श्री राम लाल जाजोदिया, मुम्बई :** षिखर भार्गव पब्लिक सकूल में विधवाओं के बच्चों की षिक्षा में मेरा सहयोग निरंतर रहेगा।
4. **सुश्री कमला रानी :** मैं इस प्रकार के मानवीय कल्याण कार्यक्रमों से भाव–विभोर हूँ। कृपया ज्यादा–से–ज्यादा सेवा–भावी लोग इनसे जुड़ें।
5. **श्रीमती शशिकला, हैदराबाद :** इस स्कूल के इरादों की जितनी प्रषंसा की जाए, कम है। विधवाओं के भविष्य को सँवारने में एक महत्त्वपूर्ण कदम है यह।

सिर्फ और सिर्फ आपकी कड़ी मेहनत ही आपको अच्छी किस्मत दे सकती है।

अतिथि विशेष :

श्री एन.डी. मुखीजा, नि. रतलाम (म.प्र.) नवम्बर, 2016 में तारा संस्थान, उदयपुर पधारे जहाँ उनका भाव–भीना सत्कार किया गया। श्री मुखीजा ने तारा संस्थान की गौरी योजना के अन्तर्गत 10 विधवा महिलाओं को हर माह जीवन पर्यन्त सहायता की घोषणा की। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित नवीन वृद्धाश्रम में एक हॉल निर्माण हेतु भी योगदान दिया। उनके मित्र श्री भारद्वाज सा. भी तारा संस्थान के आजीवन सदस्य हैं।

ऊपर चित्र में (बाएं से दाएं) श्रीमती कल्पना गोयल, श्री एन.डी. मुखीजा, श्री श्याम बिहारी भारद्वाज, श्री दीपेष मित्तल

तारा संस्थान के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

तारा संस्थान ने 3 फरवरी, 2012 को आनन्द वृद्धाश्रम प्रारंभ किया। उद्घाटन के समय 25 वृद्ध लोगों के पूर्णतया निःशुल्क रहने की व्यवस्था थी। बुजुर्गों के इस घर में उन्हें आवास चिकित्सा, भोजन, वस्त्र आदि सभी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध हैं और साथ में सम्मान के साथ अपनापन और प्यार भी दिया जाता है। 25 बेड से प्रारंभ हुए आनन्द वृद्धाश्रम में वर्तमान में 45 बेड हैं क्योंकि जैसे जैसे नये बुजुर्ग आते गए उनको मना नहीं किया जाकर उनके लिए बेड बढ़ाते गए। लेकिन समस्या अब सामने आ रही है कि प्रतिमाह 2 के औसत से लोग जानकारी मांगते हैं या वृद्धाश्रम में आवास की इच्छा जताते हैं पर अब ज्यादा बेड खाली नहीं बचे हैं। समस्या के निदान के लिए संस्थान द्वारा एक 7000 वर्ग फीट का प्लाट लिया गया है। इस प्लॉट पर एक सर्व सुविधायुक्त वृद्धाश्रम बनाया जाना प्रस्तावित है। आशा है कि आप असहाय बुजुर्गों की इस आस में अपना छोटा सा सहयोग देकर कृतार्थ करेंगे।

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा रत्न : 1,00,000 रु. **भूमि सेवा मनीषी : 51,000 रु.** **भूमि सेवा भूषण : 21,000 रु.**

भूमि दान दाताओं की सूची

भूमि सेवा रत्न

- श्रीमती निर्मला – डॉ. ओ.सी. जैन, रतलाम (म.प्र.)

भूमि सेवा मनीषी

- श्री महावीर प्रसाद जैन, औरंगाबाद (बिहार)
- स्व. श्रीमती राम दुलारी जैन धर्मार्थ ट्रस्ट, दिल्ली
- श्रीमती कांता पण्डित, नई दिल्ली
- नवयुग निर्माण योजना, दिल्ली
- मैसर्स काशीनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट, बरेली (यू.पी.)
- श्री राधा किशन अग्रवाल, सूरत (गुज.)

भूमि सेवा भूषण

- श्री जे.जे. कक्कड़, मुम्बई (महा.)
- श्री ज्ञान चन्द पन्ना लाल जैन, अहमदाबाद (गुज.)
- श्री चेतन एच. दोषी, मुम्बई
- श्रीमती ज्योति कोशिक पति श्री कर्नल भारत कुमार, पुणे (महा.)
- श्रीमती गोमती देवी पति श्री हरी प्रसाद बजाज, बीकानेर (राज.)
- श्री मोहन लाल सिंघल, फरीदाबाद (हरियाणा)
- श्रीमती नीलम पति स्व. श्री सुन्दर लाल गाँधी, रोहतक (हरियाणा)
- श्री संजय गुप्ता, दिल्ली
- श्रीमती कंचन देवी, लादू राम तोशनीवाल, जोधपुर (राज.)
- श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
- श्री मदन लाल गाँधी, रोहतक (हरियाणा)
- मैसर्स विल पॉवर इंजीनियरिंग, मोरबी, राजकोट (गुज.)
- श्री मदन लाल शर्मा, जयपुर (राज.)
- सुश्री शान्ता सक्सेना, कोटा (राज.)
- बृजेश इम्पोरटेड एवं एक्पोर्ट, अहमदाबाद (गुज.)
- विजय आयरन ट्रेडिंग कम्पनी, कोटा (राज.)
- श्री सोहन लाल प्रजापत, सीकर (राज.)
- श्री विमल बी. काले, मुम्बई
- श्रीमती स्नेहलता – श्री कृष्ण कांत अग्निहोत्री, कटनी (म.प्र.)
- मैसर्स श्री बोहरा एन्टरप्राइजेस, जोधपुर (राज.)
- मैसर्स शिल्पा एन्अरप्राइजेस, अहमदाबाद (गुज.)
- मैसर्स पायल ट्रेडर्स, मुम्बई

मासिक अपडेट्स :-

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

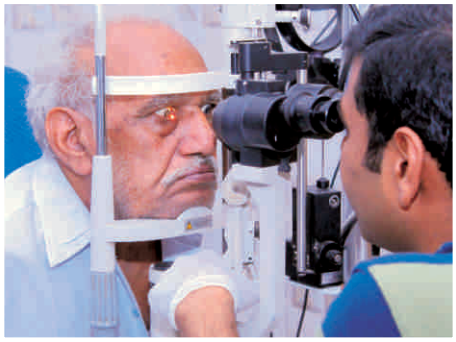

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह दिसम्बर - 2016 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06.12.2016	श्री उपेन्द्र जी गौतम, निवासी - कोटा (राज.)	151	21	36	71
10.12.2016	श्री घीसाराम जी, श्री शिवप्रकाश, ओम फर्निचर, हैदराबाद	146	08	42	61
11.12.2016	श्रीमती उमंग बाई - श्री रतन लाल चण्डालिया, गाँव - सिन्दु, तह. मावली, उदयपुर	170	26	51	81
14.12.2016	श्रीमती निर्मला रानी जैन, निवासी - हैदराबाद	166	31	29	63
19.12.2016	श्री बिहारी लाल आर. जांगिड़, निवासी - घाटकोपर (वे.), मुम्बई	225	46	38	153
23.12.2016	श्री सुरेश कुमार जैन (छाबड़ा), सीकर (राज.)	143	38	27	97

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

08.12.2016	श्रीमती अनिता सर्राफ, निवासी - रोहिणी, नई दिल्ली	141	16	62	94

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविरों की झलकियाँ

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
11.12.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	दहीसर (वे.), मुम्बई	255	30	191	220
18.12.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	बोरीवली (वे.), मुम्बई	192	14	125	130
18.12.2016	श्री शांतिलाल, संजय, अनिल जैन, निवासी - नई दिल्ली	इन्द्रपुरी, नई दिल्ली	709	18	425	690
18.12.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	इन्द्रपुरी, नई दिल्ली	711	19	409	630
24.12.2016	दर्शन आश्रम, बुढेढ़ा, गुड़गाँव	बुढेढ़ा, गुड़गाँव	267	23	169	245
25.12.2016	मीना एवं बजरंगलाल इड़िवाल, माटुंगा	भायन्दर (वे.), मुम्बई	230	7	130	128
25.12.2016	विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया	उत्तम नगर, नई दिल्ली	225	15	100	200
25.12.2016	श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन, नई दिल्ली	विजय नगर, गाजियाबाद	923	23	576	890
29.12.2016	मानकुँवर चौरडिया चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर (राज.)	घणोली, उदयपुर	106	6	22	43

कोई भी मुझे मेरी आज्ञा के बिना दुखी नहीं कर सकता।

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्ढा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
04.12.2016	लाल प्रेम शंकर पंचायती गौशाला, सिखेदा रोड, पिलखुआ (यू.पी.)	576	15	280	545

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

अपने संतान को कैसी शिक्षा दें?

सामवेद के 397 वें मंत्र में स्पष्ट करते हुए शिक्षा के तीन उद्देश्य बताये गये हैं इसमें कहा गया है कि मर्यादा का पालन करने वाले तथा विद्या से प्रकाशित माता–पिता, गुरु और उपदेशक हमारे शारीरिक रोगों को दूर करें। हिंसा की भावना को दूर करें। कुटिलता पापयुक्त बुद्धि को दूर करें। इस प्रकार हमें पापों से दूर करें। इस मंत्र से स्पष्ट है कि माता–पिता और गुरु से अपेक्षा की गयी है कि आप जिन अच्छी बातों, सदगुणों और मर्यादाओं को अपने बच्चों अथवा शिष्यों में देखना चाहते हैं और जिन गुणों की शिक्षा उन्हें देना चाहते हैं वे गुण पहले आपके आचरण की शोभा बढ़ाने वाले होने चाहिए, अर्थात् यदि आप चाहते हैं कि मेरा बेटा या बेटी वृद्धावस्था में मेरा संबल बने, तो आज आप पहले उसका संबल बन जाएं। कहने का अभिप्राय है कि यदि आप यह चाहते हैं कि मेरी संतान मेरे प्रति आत्मीय संबंध रखने वाली बने, तो पहले आप इस आत्मीयता का प्रदर्शन आज उसके प्रति करें, सभी संबंधों की समरसता का पाठ उसे पढ़ायें।

स्वागत :-

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री कृष्ण सिंह
बहादुरगढ़ (यू.पी.)

श्री युद्धवीर सिंह – श्रीमती माला देवी वर्मा
शाहदरा, दिल्ली

श्री राधेष्याम अग्रवाल के साथ मित्र
रायपुर (छत्तीसगढ़)

श्री सुजान पारिख – श्रीमती शांता बाई
छत्तीसगढ़

श्री दीनदयाल शर्मा
दयाल बाग, आगरा (यू.पी.)

श्री एन.डी. मुखीजा व श्री श्याम बिहारी भारद्वाज
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती कनक लुधाटिया
टोंक रोड, जयपुर (राज.)

श्री बिपिन बिहारी सक्सेना
झांसी (उ.प्र.)

श्री रामप्रसाद विष्वकर्मा
रायपुर (छत्तीसगढ़)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री देवेन्द्र जी – श्रीमती नीलाबेन,
श्री समीप जी – श्रीमती मोनाबेन पारीख, मुम्बई

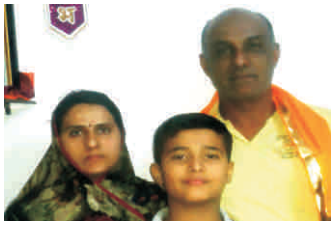

श्री मुरली जी एवं परिवार
सांगली (महा.)

श्री राजकुमार एवं श्रीमती ममता गुप्ता
बीकानेर (राज.)

श्रीमती निर्मला एवं श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्री मांगी लाल सर्राफ
हैदराबाद

श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल
हैदराबाद

श्री कैलाश चन्द्र खण्डेलवाल
सांगली (महा.)

डॉ. सी. एस. मोदी
बीकानेर (राज.)

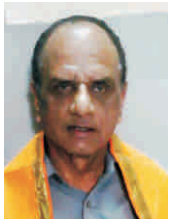

श्री विजय कुमार पारीख
बीकानेर (राज.)

श्री प्रकाश भंसाली
सांगली (महा.)

श्री रघु नन्दन जी
औरंगाबाद

एक तो आप दिन रहते दौड़िए, नहीं तो दिन आपको दौड़ायेगा।

Thanks

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Lt. Mr. Daulatram - Lt. Mrs. Annapurna Saxena
Kota (Raj.)

Lt. Mr. Banechand Bafna
Lt. Mrs. Kamlabai Bafna, Chalisgaon, (MH)

Mr. Keshav Bhai Mungara With Family
Surat (Gujarat)

Mr. Bhimsain Mittal - Mrs. Sulochna Mittal
New Delhi

Mr. Bal Kishan - Mrs. Avinash Rani
Hoshiyarpur (PB)

Mr. Sham Sunder Dhawan - Mrs. Sita Rani
Jalandhar (PB)

Mr. Amar Chand - Mrs. Mohan Devi Goyal
Bhatinda (PB)

Mr. Dinesh - Mrs. Meena Agrawal
Agra (UP)

Mr. Nilesh - Mrs. Shipra Mittal
Alwar (Raj.)

Mr. & Mrs. Anil Sharma
Bulandshahar (UP)

Mr. Satya Pal & Mrs. Maya Devi
Meerut (UP)

Mr. Jinendra - Lt. Mrs. Saroj Jain
Bikaner (Raj.)

Mr. Deepak - Mrs. Monika Suthar
Bikaner (Raj.)

Miss Shanta and Miss Mamta Saxena
Kota (Raj.)

Mr. Deen Dayal - Mrs. Laxmi Sharma
Agra (UP)

Mr. Pannalal - Mrs. Suman Soni
Indore (MP)

Mr. Bhudev - Mrs. Rajkumari Sharma
Bharatpur (Raj.)

Mr. G.P. Agrawal - Mrs. Vidhya Devi
Alwar (Raj.)

Mr. Shankar Bhai J. - Mrs. Hasumati S. Parmar
Surat (Guj.)

Mr. Teji Lal - Mrs. Urmila Mishra
Jhansi (UP)

Lt. Mr. Jayanti Lal Agrawal
Selvaas (Gujarat)

Sant Lal Sunil Kumar
Bagha, Purana Moga (PB)

Miss Radhika Rathi
Bikaner (Raj.)

Mr. Rajesh Jain
Agra (UP)

Mr. Bhushan Lal Gupta
(Nishkam Sewa Mandal)
Panchkula (Haryana)

Mrs. Tripta Ji
Bhatinda (PB)

Dr. Hemraj Aggarwal
Goniana,
Bhatinda (PB)

Mrs. Savitri Devi Aggarwal
Goniana,
Bhatinda (PB)

Mr. C.M. Gupta
New Delhi

Lt. Mr. Rajesh Joginder
Bhatia, Boriwali (E),
Mumbai

Mr. Ram Swaroop Mistri

Miss Smriti Surana
Maligaon (Guwahati)

Mr. Lalit Mohan Sharma
Udaipur (Raj.)

Mr. Mohan Lal Nagal
Bikaner (Raj.)

Mr. Lali Kumar Sahu
Ramgarh (Chhal), C.G.

Mr. G.K. Mehta
Agra (UP)

Mr. Anil Jain
Ludhiana (PB)

Mr. Bhoyaraj Rathi
Bikaner (Raj.)

Mr. Ghanshyam Das Agrawal
Kolhapur (MH)

Mr. Vimal Pal
Nagpur (MH)

Mr. Ansul Kumar Goyal
Ghaziabad (UP)

Mr. Bheemraj Modi
Bikaner (Raj.)

Mr. Kishan Kumar Goyal
Agra (UP)

Mr. Rohit Agrawal
Alwar (Raj.)

Mrs. Shaubhagya Gupta
Pune

Mr. Adityaraj Mehrotra

Miss Shatakshi Mehrotra

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. & Mrs. Raj Mohan Agrawal
Malad (W), Mumbai

Mr. S.L. - Mrs. Kusum Kukreti
Dehradun (UK)

Mr. Omprakash - Mrs. Prem Khatri
Bikaner (Raj.)

Mr. Sushil - Mrs. Neelam Gupta
Bhilwara (Raj.)

Mr. Kantilal Jain - Mrs. Roshani Devi Jain
Mumbai

Mr. Anil - Mrs. Vijay Lata Jain
Alwar (Raj.)

Mr. Madan Lal - Mrs. Bhagwati Devi Sharma
Jaipur (Raj.)

Mr. Budhi Parshad & Mrs. Vaijanti Jain
Ballabhgarh (Faridabad)

Mr. Pritam Singh - Mrs. Urmila Sharma
Panchkula (Haryana)

Mr. Shiva, Mr. P.S. Bhardwaj, Mr. Shakti
Panchkula (Haryana)

Mr. M.V. Shetty - Mrs. Vijaya Devi

Mr. Gyan Prakash Gupta - Mrs. Sharda Devi
Bharatpur (Raj.)

Lt. Mr. Har Prasad Ji - Lt. Mrs. Jaanki Devi

Mr. Arun Seth - Mrs. Durga Devi
Udaipur (Raj.)

Mr. Karnal Ravindra Kumar -
Mrs. Deepa Mehrotra

Mr. D.Y. Malve
Aarni, Yavatmal (MH)

Mr. Prakash Jain
Hyderabad

Mr. Bajrang Lal Iriwal
Mumbai

Mrs. Meena Iriwal
Mumbai

Mr. Murlidhar Agrawal
Hyderabad

Mr. Satish N. Shahu
Nagpur (MH)

Mr. Rajendra Ji
Jaipur (Raj.)

Mrs. Jayna Devi
Jodhpur

Mr. Shanti Lal Mul Chandra
Agrawal, Amarawati (MH)

Mr. Amul Belagmavar
Aarni, Yavatmal (MH)

Mrs. Saraswati Bai
Gadhe, Nagpur (MH)

Mrs. Suman Malu
Nagpur (MH)

Mr. Anmot Kedia
Nasik (MH)

Miss Garbi Kedia
Nasik (MH)

Lt. Mr. Omprakash Dhanuka
Nasik (MH)

Mrs. Vimla Dhanuka
Nasik (MH)

Mr. Kailash Kedia
Nasik (MH)

Mrs. Sangeeta Kedia
Nasik (MH)

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद/उपलक्ष्य में/स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केष/चैक/डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर/ ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

जिन्दगी खुद को ढुंढने में नहीं बल्कि जिन्दगी तो खुद को बनाने में है।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation
Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Phone No. 011-25357026, +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D, N.I.T., Faridabad (Haryana) 121001
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

Area Specific Tara Sadhak

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 09694979090

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Bharat Menaria
Area Mumbai
Cell : 07821855755

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 08866219767, 09829906319

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Lt. Col. A.V.N. Sinha
Lucknow
Cell : 09598367090

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers,
Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org **Pan Card No. Tara - AABTT8858J**

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जनवरी - 2017
प्रेषण तिथि - 11-18 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2015-2017
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.

11000 रु. की संचित राशि से वृद्धाश्रम वासियों को हर साल एक निश्चित दिवस पर भोजन करवाएँ।

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

जो दानदाता आयकर में 35 AC के अन्तर्गत छूट प्राप्त करना चाहते हैं वे हमारे इस खाते में दान प्रेषित करें :
खाता सं. :- 693501700205 IFSC Code : ICIC0006935, ICICI बैंक, सेक्टर 4, उदयपुर

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस — 'पारस' रात्रि 8:20 से 8:40 बजे

आस्था भजन — 'आस्था भजन' प्रात: 8:40 से 9:00 बजे

आस्था — 'आस्था' रविवार दोपहर 2:30 बजे

बुक पोस्ट

Tara बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org